RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक : 181 28 जुलाई 2020 मूल्य : 20/-

संत शिरोमणि

सावता महाराज

महाराष्ट्र

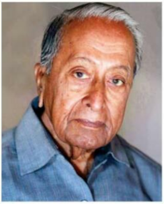

समाज गौरव

परम श्रद्धेय बाऊजी प्रातः स्मरणीय श्री भगवान सिंह जी परिहार को मैं बारम्बार नमन करता हूँ जिन्होंने 30 वर्ष पूर्व इस संस्थान को स्थापित किया जो आज भी असहाय बच्चों के लिए जीवन दायिनी बना हुआ है |

आज उनके सुपुत्र श्री राजेन्द्र सिंह जी परिहार ने अपने पिता के पद्चिन्हों पर चलते हुए संस्थान की दो बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी निभाई | हमें गर्व है कि हमारे समाज में बाऊजी जैसे समाज सेवी ने जन्म लिया जिन्होंने आजीवन असहाय, अनाथ बच्चों के लिए अपना पूरा जीवन न्यौछावर किया | नव विवाहित दोनों बेटियों के समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगल व उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं |

बरसों पहले अनाथालय में मरणासन्न अवस्था में आई थी दो बहनें, आज दुल्हन बनकर विदा हुई

लव कुश संस्थान में आयोजित किया गया विवाह समारोह

जोधपुर. शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश संस्थान में आज अलग ही नजारा था | मां की मौत के बाद बाप ने कभी जिन दो बहनों को मरणासन्न अवस्था में यहां छोड़ दिया था, उनकी आज शादी हो रही थी और इसके साक्षी बने शहर के लोग औरउनके साथ बरसों से रहने वाले 60 बच्चे | अनाथ बच्चों को पालने के लिए प्रसिद्ध लवकुश संस्थान में बड़ी हुई सोनू और बसंती का विवाह सोमवार को शहर के प्रियेश और गौरव के साथ हुआ | दूल्हा बने दोनों युवक किराणा व्यवसायी हैं | उन्होंने खुद अपना कारोबार खड़ा किया है | शादी में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, निवर्तमान महापौर घनश्याम ओझा समेत शहर के कई गणमान्य लोगों ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया |

लवकुश संस्थान के संचालक राजेन्द्र परिहार ने बताया कि बरसों पहले डेढ़ वर्ष की सोनू और6 माह की बसंती की मां की मौत हो गई थी | इनकेपिता दोनों को यहां छोड़ गए थे | उस समय इन दोनों की हालत बहुत खराब थी और बचने की संभावना भी नजर नहीं आ रही थी | संस्थान नेदोनों को अपने यहां रखा | सोनू ने पॉलिटेक्निक से डिप्लोमा कोर्स किया है और बसंती ने बीए कर रखा है |

कन्यादान करने वाले अब जीवन भर रिश्ता निभाएंगे

सोनू और बसंती का कन्यादान गौतम मेहता और आशीष अग्रवाल ने किया | कन्यादान करने के लिए इनसे किसी प्रकार का खर्च नहीं लिया गया | इन्हें सिर्फ एक शर्त का पालन अपने परिवार समेत करना होगा | संस्थान की शर्त है कि कन्यादान करने वाले पति-पत्नी ताउम्र इन दोनों कन्याओं की आगे की जिम्मेदारी निभाएंगे |

संस्था द्वारा पूरी जांच और पसंद पूछ कर रिश्ता करते हैं

राजेन्द्र परिहार ने बताया कि संस्थान की विवाह योग्य कन्याओं का समाचार पत्रों में विज्ञापन देते हैं | इसके बाद इच्छुक लोगों के संपर्क करने पर उनकी पूरी जानकारी लेते हैं | घर-परिवार के अलावा लड़कों की पढ़ाई और काम-धंधे के बारे में जानकारी ली जाती है | उन्होंने बताया कि जैसे इन दोनों युवाओं ने किराणा व्यवसाय स्थापित किया | ऐसे में इनकी दुकान पर जाकर कुछ सामान की खरीदारी कर इनके व्यवहार को परखा गया | इसके बाद सोनू और बसंती से दोनों को मिलवाया गया और दोनों की पसंद-नापसंदगी के बारे पूछा गया | दोनों बच्चियों की सहमति मिलने के बाद यह रिश्ता पक्का किया गया |

> दोनों लड़कियों की मां की मौत हो गई थी, बाप ने मरणासन्न अवस्था में छोड़ दिया था लवकुश संस्थान 20 अनाथ लड़कियों की शादी करवा चुका, 1144 बच्चों को गोद दिया चुका है |

लव कुश संस्थान के बारे में...

समाजसेवी भगवान सिंह परिहार ने अनाथ बच्चों का पालने के लिए वर्ष 1989 में लवकुश संस्थान की स्थापना की | अब तक 1144 बच्चों को गोद दिया जा चुका है | कुल 20 लड़कियों की शादी की जा चुकी है | बच्चों को पालने में असमर्थ या अनाथ बच्चों को लोग इस संस्थान के बाहर लगे पालने में छोड़ जाते हैं | इसके बाद संस्थान के कर्मचारी इन बच्चों को परिवार के सदस्यों के समान पालते हैं |

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 15 ● अंक 181 ● 28 जुलाई 2020 ● ● मूल्य : 20/- प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

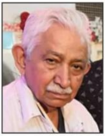
श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

समाज की एक मात्र ऑन लाईन पत्रिका माली सैनी संदेश

आप कहीं भी पढ़नें के लिए लॉग ऑन करें :

www.malisainisandesh.com

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों...?

कुंवारे बैठे लड़के–लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। इसमें उम्र तो एक कारण है ही मगर समस्या अब इससे भी कहीं आगे बढ़ गई है, क्योंकि 30 से 35 साल तक की लड़कियां भी कुंवारी बैठी हुई है। इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्र कारण नहीं बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता–धर्ताओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच कि हमें क्या मतलब है में उलझ कर रह गई है। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन हर समाज की हकीकत यही है, 25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती है, क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक होता हैं बच्चे सिजेरियन ऑपरेशन से होते हैं जिस कारण बाद में बहुत सी बिमारी का सामना करना पड़ता है।

शादी के लिए लड़की की उम्र 18 साल व लड़के की उम्र 21 साल होनी चाहिए ये तो अब बस आंकड़ों में ही रह गया है। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिग होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार ही खत्म सा कर दिया है। अब तो शादी के लिए जांच पड़ताल में और कोई तो नेगेटिव करें या न करें पर अपने ही खास सगे संबंधी उसे नेगेटिव कर, बनते संबंध खराब कर देते है।

उच्च शिक्षा और हाई जॉब, बढ़ा रहे उम्र : यूं तो शिक्षा शुरू से ही मूल आवश्यकता रही है लेकिन पिछले डेढ़ दो दशक से इसका स्थान उच्च शिक्षा या कहे कि कमाने वाली डिग्री ने ले लिया है। इसकी पूर्ति के लिए अमूमन लड़के की उम्र 23–24 या अधिक हो जाती है। इसके दो–तीन साल तक जॉब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। जाहिर से इतना होते–होते लड़के की उम्र तकरीबन 30 के इर्द –गिर्द हो जाती है। इतने तक रिश्ता हो गया तो ठीक, नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है। यानि 50 सवाल खड़े हो जाते है।

प्रकृति के हिसाब से 30 प्लस का पड़ाव चिंता देने वाला है। न केवल लड़के–लड़की को बल्कि उसके माता–पिता, भाई–बहन, घर–परिवार और सगे संबंधियों को भी। सभी तरफ से प्रयास भी किए, बात भी जंच गई लेकिन हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्ता न बैठने पर उनकी चिंता और बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, शंका–समाधान के लिए मंदिरों तक गए, पूजा–पाठ भी कराए, नामी विशेषज्ञों ने जो बताए वे तमाम उपाय भी कर लिए पर बात नहीं बनती। मेट्रीमोनी वेबसाइट्स व वाट्सअप पर चलते बायोडेटा की गणित इसमें कारगार होते नहीं दिखाई देते। बिना किसी मीडिएटर के संबंध होना मुश्किल ही होता है। मगर कोई मीडिएटर बनना चाहता ही नहीं है। मगर इन्हें कौन समझाए की जब हम किसी के मीडिएटर नहीं बनेंगे तो हमारा भी कोई नहीं बनेगा। एक समस्या ये भी हम पैदा करते जा रहे है कि हम सामाजिक न होकर एकांतवादी बनते जा रहे है।

क्यों नहीं सोचता समाज : समाज सेवा करने वाले लोग आज अपना नाम कमाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने से नहीं चूकते लेकिन बिडम्बना है कि हर समाज में बढ़ रही युवाओं की विवाह की उम्र पर कोई चर्चा करने की व इस पर कार्य योजना बनाने की फुर्सत किसी को नहीं है। कहने को हर समाज की अनेक संस्थाएं हैं वे भी इस गहन बिन्दु पर चिंतित नजर नहीं आती।

पहल तो करें : हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हुई हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नहीं आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं और समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरू हो।

मेरा समाज के सभी सामाजिक और राजनैतिक संगठनों के नेतृत्वकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस गंभीर समस्या पर चर्चा करें और एक ऐसा रास्ता तैयार करें जो युवाओं को भटकाव के रास्ते से रोककर विकास के मार्ग पर ले जा सकें। स्वार्थ न समझकर परोपकार समझ कर सहयोग करें।

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

सभी स्कूलों में महात्मा फूले एवं सावित्री बाई फूले की प्रतिमा लगेगी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनुपम भेंट, राजस्थान सरकार का महत्वपूर्ण फेसला 3 जनवरी, महिला शिक्षिका दिवस

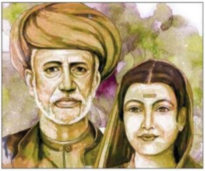

जयपुर। जननायक अशोक गहलोत ने गुरू पुर्णिमा के दिन माली सैनी समाज के साथ पिछड़े समाज को अनुपम भेंट देते हुए घोषणा कि राजस्थान के सभी सरकारी स्कूलों कॉलेजों में लगाई जाएंगी। इसके साथ ही भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की जयंति 3 जनवरी को महिला शिक्षिका दिवस घोषित किया। सरकारी ओदेश के अनुसार प्रत्येक जिले में एक एक राजकीय विद्यालय का नामकरण महात्मा ज्योति बा एवं सावित्री बाई फूले के नाम पर होगा साथ ही सरकारी स्तर पर शिक्षा से लेकर किसानों और ओबिसी वर्ग की योजनाओं का नाम महात्मा ज्योति बा एवं सावित्री बाई फूले के नाम पर करने की महत्वपूर्ण घोषणा की।

गुरु पूर्णिमा का दिन माली सैनी समाज के लिए रहा ऐतिहासिक 170 साल बाद सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका को राजकीय सम्मान प्रदान करने के लिए माली सैनी संदेश पत्रिका की और से माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का हार्दिक आभार अभिनंदन प्रकट कर मुख्यमंत्री के नाम अभिनंदन पत्र भेजा जिसमें लिखा मुख्यमंत्री के अभूतपूर्व निर्णय से फूले दम्पति को सम्मान के साथ ही देश में मुख्यधारा से पिछड़े शोषित ,पीड़ित एंव वंचित वर्ग के लोगों का संबल मिलेगा। प्रदेश ही नहीं देश की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस निर्णय पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए आभार प्रकट किया। जिसमें प्रमुख माली संस्थान, महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच, ऑल इण्डिया माली सैनी समाज सेवा संस्थान, माली महासभा, संत शिरोमणी लिखमीदास जी स्मारक विकास संस्थान। इसके साथ ही पिछड़ें दलितों समाज की संस्थाओं एवं प्रबुद्वजनों ने भी महात्मा ज्त्योति बा फूले एवं सावित्री बाई फूले के सम्ममान में की गई घोषणा पर हार्दिक आभार प्रकट किया।

संत शिरोमणिी लिखमोजी की जयंति पर 148 यूनिट रक्तदान

जोधपुर। संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज की 270वीं जयंति पर जोधपुर में आयोजित भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन समाज के युवा शक्ति और संत शिरोमणि लिखमीदास जी स्मारक विकास संस्थान और माली संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस अल्प समय में आयोजित शिविर में युवाओं ने उत्साह से भाग लेते हुए 148 रक्तदान कर संत शिरोमणि को श्रद्वासुमन अर्पित किए।

इस पावन अवसर पर माली समाज के सभी वर्गों ने संत शिरोमणि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। समाज के नवनिवार्चित राज्यसभा सांसद श्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व राजसीको अध्यक्ष सुनील परिहार, जेडीए के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, वरिष्ठ राजनेता समाजसेवी नरेन्द्र कच्छवाहा सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने रक्तदाताओं का होंसला बढ़ाया। मातृशक्ति का होंसला बढ़ाने के लिए युवा नेत्री श्रीमती कुंती देवड़ा, श्रीमती दिव्या गहलोत, श्रीमती रूपवती देवड़ा, श्रीमती लीलावती भाटी एवं श्रीमती मीना सांखला भी उपस्थित रही।

इस अवसर पर सामाजिक पत्रिका माली सैनी संदेश की और से सभी को लिखमीदास जी महाराज के मास्क वितरित किए गए। समाजसेवी एवं शिक्षाविद् मंगलसिंह देवड़ा की और से सभी रक्तदाताओं को हैंड सेनिटाईजर उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इस अवसर पर राजेन्द्र गहलोत ने सभी रक्तदाताओं का होंसला बढ़ाते हुए संत श्री के आदर्शो को जीवन में उतारने की बात कही साथ ही नागौर स्थिति अमरपुरा धाम में चल रहे विकास कार्यो की जानकारी प्रदान की। राजेन्द्र सोलंकी ने रक्तदाताओं का होंसला बढ़ाया और साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र, दृपट्टा प्रदान कर सम्मानित किया। संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज स्मारक संस्थान की ओर से रक्तदाताओं को पशस्ति पत्र, दुपट्टा प्रदान किया गया। सभी भक्तजनों ने माली संस्थान वृद्वाश्रम में प्रतिष्ठित संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित कर कोरोना महामारी से सभी को बचाने की प्रार्थना की।

माली सेनी समाज के प्रथम परिचय सम्मेलन के लिए 700 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

विभिन्न जिलों में संयोजक की हुई नियुक्ति, विदेश से युवाओं ने भी कराया पंजीयन

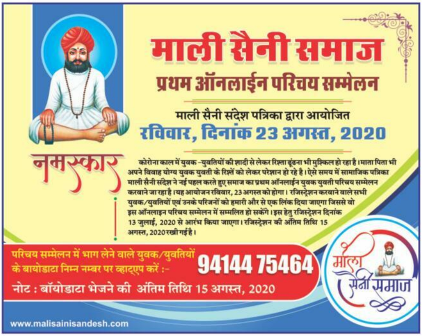

माली सैनी समाज

प्रथम ऑनलाईन परिचय सम्मेलन

माली सैनी संदेश पत्रिका द्वारा आयोजित

रविवार, दिनांक 23 अगस्त, 2020

कोरोना काल में युवक -युवतियों की शादी से लेकर रिश्ता ढूंढना भी मुश्किल हो रहा है। माता पिता भी अपने विवाह योग्य युवक युवती के रिश्तें को लेकर परेशान हो रहे है। ऐसे समय में सामाजिक पत्रिका माली सैनी संदेश ने नई पहल करते हुए समाज का प्रथम ऑनलाईन युवक युवती परिचय सम्मेलन करवाने जा रहा है। यह आयोजन रविवार, 23 अगस्त को होगा। रजिस्ट्रेशन करवाने वाले सभी युवक/युवतियों एवं उनके परिजनों को हमारी और से एक लिंक दिया जाएगा जिससे वो इस ऑनलाइन परिचय सम्मेलन में सम्मलित हो सकेंगे। इस हेतु रजिस्ट्रेशन दिनांक 13 जुलाई, 2020 से आरंभ किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2020 रखी गई है।

परिचय सम्मेलन में भाग लेने वाले युवक/युवतियों के बायोडाटा निम्न नम्बर पर व्हाट्एप करें :- 94144 75464

नोट : बॉयोडाटा भेजने की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2020

www.malisainisandesh.com

जोधपुर। कोरोना काल में युवक -युवतियों की शादी के योग्य युवक युवती के रिश्तें को लेकर आगामी 23 अगस्त, 20 को आयोजित होने वाले प्रथम ऑनलाईन युवक -युवति परिचय सम्मेलन के लिए अभी तक 300 से ज्यादा हुए रजिस्ट्रेशन, इस आयोजन के लिए देश के विभिन्न जिलों में समाज सेवी भी निस्वार्थ भाव से संयोजक बन कर रहे है सेवा।

माली सैनी संदेश पत्रिका के संपादक मनीष गहलोत ने बताया कि अभी तक जो रजिस्ट्रेशन हुए है उनमें अधिकत्तर शिक्षित युवक युवतियों की संख्या ज्यादा है जिसमें एडवोकेट, बी.टेक, डॉक्टर, उद्योगपति, शिक्षक, सी. ए., व्यापारी एवं सरकारी विभागों में कार्यरत युवक युवतियों ने पंजीयन कराया है। पंजीयन के लिए देश के अनेकों प्रदेशों से समाज के हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, उत्तराखण्ड, कलकता, राजस्थान के साथ विदेशों में अमेरिका, इटली, जापान, इंग्लैड से भी समाज के एन. आर. आई. युवक युवतियों ने पंजीयन कराया है। इसके अलावा कुछ दिव्यांगों के साथ ही विधवा विधुर तलाकशुदा युवक युवति ने भी पंजीयन कराया है।

आयोजन की सफलता के लिए देश के विभिन्न जिलों में संयोजकों की भी नियुक्ति की गई है। जिसमें उदयपुर से दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार जयप्रकाश माली, पाली से वरिष्ठ समाजसेवी ताराचंद गहलोत, बाड़मेर से सी. पी. गहलोत, अजमेर से समाजसेवी प्रदीप कच्छवाहा, जैतारण से वरिष्ठ समाजसेवी पन्नालाल माली, बीकानेर से आनंद सिंह गहलोत और कमल माली, सीकर से वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल सैनी, डीसा गुजरात से रमेश माली, भोपाल मध्य प्रदेश से वरिष्ठ समाजसेवी गजानंद भाटी, ब्यावर से युवा समाज सेवी नरेन्द्र गहलोत, नागौर से पत्रकार जगदीश यायावर, मुंबई से कवि एवं पत्रकार दिनेश्वर माली, सिरोही से युवा समाज सेवी प्रकाश माली, मेड़ता से जितेन्द्र माली, सरदार शहर से आर्टिस्ट ताराचंद सैनी, हरियाणा एवं पंजाब से सैनी युथ फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, झुंझुनु से नरेश बंगड़, जयपुर से अनोखी सेवा संस्थान के अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, अलवर से शिक्षाविद् मुकेश सैनी को संयोजक बनाया गया है।

23 अगस्त को सभी रजिस्टर्ड युवक युवति घर बैठे ऑन लाईन वीडियों कॉन्फ्रेस से आपसी बातचीत से अपना जीवन साथी चुन सकेंगे। इस आयोजन के लिए राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर समाज की विभिन्ना संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ ही प्रबुद्वजनों का भी भरपुर सहयोग मिल रहा है।

वैवाहिक युवक युवती के वैवाहिक परिचय सम्मेलन में सम्मलित होने वाले समाज के सभी वर्ग मोबाईल वाट्सअप नबंर 94144 75464 पर संबधित जानकारी भेज सकते है। रजिस्ट्रेशन के बाद सभी को परिचय सम्मेलन में सम्मलित होने के लिए लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड दिया जाएगा। इस परिचय सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 अगस्त रखी गई है।

निस्वार्थ सेवा की अनूठी मिसाल

माली समाज की अनूठी पहल निःशुल्क रामरथ सेवा के साथ, निर्धन लोगों को अंतिम संस्कार सामग्री निःशुल्क उपधब्ध कराने वाली रामरथ सेवा समिति

नि: शुल्क राम रथ सेवा समिति मण्डोर
राम राम राम राम राम
रजि. सं. 32/16-17
राम रथ सेवा समिति माली समाज मण्डोर
नि:शुल्क राम रथ शव परिवहन सेवा

जोधपुर। माली समाज मंडोर की ओर से संचालित रामरथ सेवा समिति ने सर्वजाति समाज के लोगों के सेवार्थ अनूठी पहल की है। नर सेवा ही नारायण सेवा के रूप में किसी भी जाति, धर्म एवं सम्प्रदाय के व्यक्ति के देवलोकगमन पर नि:शुल्क रामरथ सेवा उपलब्ध कराई जाती है। पार्थिक देह को शोक संतप्त परिवार के निवास स्थान से स्वर्गाश्रम तक पहुंचाने व मृत्यु उपरांत दूर दराज के परिजनों के इंतजार तक पार्थिव देह को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए डीप फ्रीज की माकूल व्यवस्था भी नि: शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है।

संस्था आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवार को दिवंगत परिजनों की पार्थिव देह के अंतिम संस्कार के लिए प्रयुक्त की जाने वाली सम्पूर्ण सामग्री भी नि:शुल्क उपलब्ध कराती है। संस्था द्वारा वृद्धाश्रम, कुष्ठ आश्रम, नेत्रहीन, विकलांग, मनोरोगी आदि के मृत्युपरांत दाह संस्कार की सभी सुविधाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध है।

मानव सेवा को समर्पित अनूठी सेवा के लिए किसी अन्य जाति के लोगों से किसी भी प्रकार का चंदा एवं सेवा शुल्क किसी भी रूप में नहीं लिया जाता है। इस पुनीत कार्य में रामसिंह गहलोत एवं भैरुसिंह गहलोत हर वक्त रामरथ, डीप-फ्रीज एवं दाह संस्कार सामग्री की सुविधा संबंधित शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने में जुटे रहते है। ये सारी सुविधा रामरथ सेवा समिति मण्डोर उद्यान के द्वितीय गेट के पास निर्मित गौ का बाड़ा से संचालित होती है।

संस्था के संरक्षक रामसिंह गहलोत है तथा वर्तमान में अध्यक्ष जयसिंह गहलोत, उपाध्यक्ष दिनेश गहलोत, हरीसिंह आर्य सचिव, रामेश्वर गहलोत कोषाध्यक्ष के रूप में निस्वार्थ सेवा भाव से सेवाएं प्रदान कर रहे है। कोरोना काल में भी संस्था द्वारा मोक्ष वाहन की सेवा शहर के सभी जगहों पर नि:शुल्क उपलब्ध कराने के साथ ही दाह संस्कार सामग्री की भी व्यवस्था की गई थी।

जोधपुर में कहीं भी रामरथ की नि: शुल्क सेवा के लिए आप रामसिंह गहलोत-9001610512 और भैरुसिंह गहलोत-9784152857 के मोबाइल पर संपर्क कर सकते है।

संस्था के पास 3 आर्थोपेडिक बेड, पानी वाले गद्दे, व्हील चैयर्स, वाकर, आक्सीजन सिलेण्डर किट के साथ, 2 बड़ी बैंकुठी के लिए डीप फ्रिज, 3 डीप फ्रिज डेथ बॉडी के लिए नि:शुल्क सेवार्थ सभी के लिए उपलब्ध है।

फोन आते ही चल पड़ते है सारथी

नि: शुल्क रामरथ की सेवा करने वाले सारथी रामसिंह और भैरुसिंह फोन आते ही दिवंगत परिवार की सेवार्थ चल पड़ते है। यदि किसी के परिजन अन्य राज्यों में रहते है और उन्हें जोधपुर पहुंचने में देरी होने पर डीप फ्रीज की सुविधा मुहैया करवाते है। इसके लिए किसी भी धर्म, सम्प्रदाय अथवा जाति को बिलकुल भी नहीं देखा जाता है। चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान। संस्था द्वारा लावारिस और मानसिक विमंदितों के लिए भी पूरी सुविधा नि:शुल्क मुहैया करवाई जाती है। ऐसी अनुठी सेवा कार्य वह भी बिना किसी से चंदा लेकर करने वाली सामाजिक

संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की जितनी प्रंशसा की जाएं वो कम है आज के स्वार्थ एवं भौतिकतावादी युग में मानव सेवा की अनुठी मिसाल लिए कार्य करने वाले सभी स्वयंसेवकों का हार्दिक आभार अभिनंदन। हमें आप पर गर्व है ईश्वर आप सभी को उत्तम स्वास्थ्य एवं दिर्घायु जीवन प्रदान करें और सेवा का यह संकल्प निर्विघ्न रूप से निरंतर चलता रहे यहीं हमारी शुभकामनाएं है।

रामसिंह गहलोत
संरक्षक

जयसिंह गहलोत
अध्यक्ष

दिनेश गहलोत
उपाध्यक्ष

हरी सिंह आर्य
सचिव

रामेश्वर सांखला
कोषाध्यक्ष

विरेन्द्र देवड़ा
संगठन सचिव

कृत्वनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी चेतन देवड़ा के सम्मान में अभिनंदन पत्र

अभिनन्दन पत्र

परम आदरणीय श्री चेतन राम जी देवड़ा सा.

(निर्वतमान जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट चित्तौड़गढ़) वर्तमान में उदयपुर कलेक्टर।

मान्यवर देवड़ा सा, चित्तौड़गढ़ जिले से

आपका स्थानांतरण हम सभी के मन को द्रवित कर रहा है परंतु साथ ही खुशी इस बात की है कि आप संभाग मुख्यालय उदयपुर में जिला कलेक्टर का दायित्व निभाने जा रहे हैं जो आपकी कुशल प्रशासकीय क्षमताओं एवं श्रेष्ठ परिणाम देने की आपकी कार्यशैली में और बेहतर निखार लाएगा।

चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर के रूप में अल्प समय में ही आपने अपने सरल, सहज स्वभाव व सदाबहार मुस्कान से न केवल चित्तौड़ वासियों का दिल जीता अपितु अल्प समय में सभी के दिलों में खास जगह भी बना ली है ।दिल जीतना आसान नहीं होता।

सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय की पुनीत भावना रखकर अपने आपको कोरोनावायरस से संघर्ष में झोंककर आपने आने वाली पीढ़ी को अपना श्रेष्ठ सौंपा है जो एक विशिष्ट व्यक्तित्व ही कर सकता है। दिल जीतने वाले कर्मयोगी व्यक्तित्व संसार में विरले ही होते हैं । एक सार्थक सोच, बेहतर प्रबंधन ,स्टेप बाय स्टेप प्रक्रिया की पालना एवं कुशल संपादन ही आपकी कार्यकुशलता की विशिष्ट पहचान है।

Sky is the Limit---Need only Sincere Effort

(आसमां ही हद है सिर्फ गंभीर प्रयास की आवश्यकता है)

आपका व्हाट्सएप और फेसबुक स्टेटस ही आपकी क्षमताओं का सबसे बड़ा प्रदर्शक है। आपकी सुस्पष्ट कार्यशैली में पहलपन आप की प्रमुख खासियत रही है। निर्बल को सबल बना कर आपने सभी को संबल दिया। हर जरूरतमंद तक आवश्यक वस्तुओं को पहुंचा कर सेवाकार्य किया। दूरदर्शी नवाचार और रचनात्मकता का संपूर्ण प्रभाव आपके व्यक्तित्व में हम सभी को नजर आया।

कोरोना से चित्तौड़गढ़ की जंग के सर्वश्रेष्ठ कोरोना वॉरियर के रूप में आपने संपूर्ण राजस्थान में एक विशिष्ट छवि बनाई है जिसके परिणाम स्वरुप आज कोरोना संक्रमण पर प्रभावी आक्रमण कर चित्तौड़गढ़ जिला एक सुरक्षित जिला बन पाया है । इस हेतु आपकी कुशल प्रशासकीय निर्णय क्षमता और जिले की पूरी टीम साधुवाद व बधाई के पात्र हैं। सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव आपका सकारात्मक दृष्टिकोण रहा । चाहे निर्धन व जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरण का कार्य करना हो चाहे किसी समाज के महिला संगठन द्वारा विद्यालय में फर्नीचर प्रदान करने का कार्यक्रम हो आपका शुभ आशीष हमें सदैव मिला यह हमारा सौभाग्य है।

आपका यह कथन कि ''मैं जाति से सैनी हूं और कर्म से जैनी हूं '' हम सभी के लिए प्रेरणा का संचार करेगा।

हम भगवान महावीर स्वामी से करबद्ध प्रार्थना करते हैं कि आप जहां भी रहें ईश्वर आपको आत्मबल व प्रगति पथ पर सदैव अग्रसर करते रहें। सादर जय जिनेंद्र

जय महावीर

विनयवत :

श्री महावीर जैन नवयुवक मंडल

चित्तौड़गढ़

इंजीनियर पंकज भाटी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए सम्मानित

अजमेर। अजमेर निवासी इंजीनियर पंकज भाटी पुत्र रूप चंद भाटी ने घाना, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कार्यक्रम में बैस्ट इलेक्ट्रिकल मीटर मैन्युफैक्चरिंग का अवार्ड 4 जुलाई 2020 को हासिल करते हुए न केवल माली (सैनी) समाज को बल्कि भारत देश को कोरोना काल में महाशक्ति बनाने का गौरव हासिल करने में अपनी मेहनत व लग्न का परिचय दिया है, वह समाज के लिए गर्व कि बात है।

धन्य है भाटी परिवार जिन्होंने होनाहार पंकज को तकनीकी शिक्षा पालिटेक्निक अजमेर से कराते हुए, एम. बी. एम. जोधपुर से डिग्री कराई तत्पशचात सिक्योर मिटर्स में अपना औद्योगिक कैरियर आरंभ करने वाले टैलेन्टेड पंकज ने अपने आपको स्वयं उद्योगपति बनने का सपना संजोया जिसे साकार करने के लिए आपने माता-पिता से इच्छा जाहिर कि जिसे साकार करते हुए माता-पिता से हौसला अफजाई व आशीर्वाद के रुप में भरपूर सहयोग प्राप्त कर, परिवार के साथ तालमेल बैठाते हुए पत्नि ब बच्चों के साथ घाना-दक्षिण अफ्रीका में स्वयं का उधोग 'एल्फा टी.एन.डी.' लि. स्थापित करते हुए कठिन परिश्रम व लग्न के साथ उच्च स्तरीय व गुणवत्ता वाले ''ईलेक्ट्रीकल मीटर्स'' का निर्माण करते हुए आपने यह अवार्ड प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो मुकाम हासिल किया है वह काफी हर्ष का विषय है। आपने दीपावली के पावन पर निजी मुलाकात के दौरान खुद के औद्योगिक सफर कि बात सुनाई वह काफी रौचक उच्च दृढ़ संकल्प को संजोए हुई थी। आपने 'आत्मनिर्भर' बनने के बहुत ही प्रेरणा दायक अनुभव शेयर किया, वह स्मरणीय है। एक बार फिर से उज्ज्वल भविष्य कि हार्दिक शुभकामनाएं।

समस्त माली (सैनी) समाज अजमेर कि और से भी आपको हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की गई साथ ही समाज की अनेकों सामाजिक संस्थाओं एवं प्रबुद्धजनों द्वारा हार्दिक बधाई प्रेषित की गई। आप ऐसे ही नवीन आयाम हासिल करते रहें यही ईश्वर से माली सैनी संदेश परिवार की प्रार्थना हैं।

माली समाज ने किया भव्य स्वागत

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने पूजा सरोवर

पुष्कर, अजमेर। तीर्थ नगरी पुष्कर में आज सुबह ब्रह्म घाट पर नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने पवित्र सरोवर की पूजा अर्चना कर देश में फैल रखे कोरोना वायरस को शीघ्र खत्म करने की मनोकामना की तथा इस अवसर पर उन्होंने पवित्र सरोवर का दुग्धाभिषेक भी किया सरोवर की पूजा-अर्चना उनके पुश्तैनी पुरोहित मुकेश पाराशर और दीपक पाराशर ने करवाई उनके साथ विधायक सुरेश सिंह रावत जोधपुर जिले प्रमुख पुनाराम चोधरी भी थे ।

सरोवर की पूजा अर्चना करने के बाद जयपुर घाट स्थित होटल सन सेट गए जंहा पूर्व पार्षद बाबूलाल दगदी के नेतृत्व में संजय दगदी राजेश राजेश दगदी पार्षद धीरज जादम जयनारायण दगदी भागचंद दगदी अजय सैनी माली समाज के कई लोगों ने स्वागत किया बाद में माली मंदिर में माली समाज की तरफ से सम्मान समारोह आयोजित किया गया जंहा माली समाज की तरफ से तारा चंद गहलोत रूपचंद मारोठिया नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सूरजमल दगदी के नेतृत्व में नवयुवक मंडल के सदस्य बांसेली सरपंच ओमप्रकाश पवार हनुमान सिंगोदिया रविंद्र सिंह राठौड़ अंकित दगदी ब्यावर की पूर्व सभापति शशि सोलंकी हरिशंकर चौहान भाजपा मंडल अध्यक्ष पुष्कर नारायण भाटी सहित कई माली समाज के लोगों ने माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर और उनका ओर विधायक सुरेश सिंह रावत का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी समाप्त नही हुई लोग सर्तक रहे और सरकार और प्रशासन की गाइड लाइन का पालन करे।

श्रीमती कुसुमलता परिहार : लायंस क्लब जोधपुर मातृशक्ति अध्यक्ष समाज सेवा का मुख्य उद्देश्य पीड़ित व जरुरतमंद लोगों की सेवा व सहायता करना

जीवन परिचय :

श्रीमती कुसुमलता परिहार के पिता का नाम भंवर लाल जी सांखला है वे सरकारी कर्मचारी थे टिड्डी विभाग से सेवानिवृत है। कुसुमलता परिहार ने बताया कि वे अपने पापा के सिद्धांतों से बहुत प्रेरित है। मेरी माता जी का नाम मोहिनी देवी है। चार बहन भाई हैं एक मेरी बड़ी बहन है एक बड़ा भाई हैं एक मेरा छोटा भाई है मैं तीसरे नंबर पर है। आपका बचपन बहुत कठिनाइयों भरा था मध्यम परिवार में जन्म हुआ था चार बहन भाई थे पापा सरकारी नौकरी में थे बचपन में जब से होश संभाला मजदूरी करते थे अगरबत्ती बनाना और पापड़ बनाने के काम में भी अपनी माता जी को सहयोग करती थी। माताजी इनको पढ़ाना नहीं चाहते थे पर पढ़ाई में रूचि थी इसलिए पिता जी ने बहुत सपोर्ट किया और ग्रेजुएशन करवाया। आपने कठिन परिस्थितियों में माता पिता के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए अपनी शिक्षा जारी रखते हुए एम. ए. इतिहास में किया, ग्रेजुएशन कमला नेहरू कॉलेज से किया इनकी स्कूली शिक्षा सरदारपुरा स्कूल से हुई कॉलेज की शिक्षा कमला नेहरू कॉलेज से हुई।

वर्ष 1990 में आपका विवाह गोविंद सिंह परिहार के साथ हुआ जो वर्तमान में उम्मेद स्टेडियम में खेल अधिकारी की पोस्ट पर हैं। इनकी शादी मध्यम परिवार में हुई थी वहां पर भी मेरे चार देवर जेठ थे और एक मेरी ननंद थी मेरे पति उस समय बास्केट बॉल के कोच थे। आपने अपनी शादी के 7 साल बाद एम. ए. और बी.ए. की शिक्षा प्राप्त की। कुसुमलता परिहार के परिवार में दो बेटियां हैं एक बेटा है जिनके नाम इस प्रकार है दिव्या गहलोत ज्योति सांखला दिव्यज्योत सिंह परिहार। आप के 4 दोहिता 1 दोहिती है इनकी दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। बेटा नाइंथ क्लास में पढ़ता है।

1995 में लक्की बाल निकेतन स्कूल से ऑफिस वर्क व कैशियर के लिए ऑफर आया ना चाहते हुए भी घर की परिस्थितियां देखते हुए जॉइन किया। सर्विस के साथ-साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से लोगों की सेवा करना लोगों की मदद करने का काम चलता ही था।

जब समाज सेवा के कार्य में इतना व्यस्त रहने लग गई तब 2018 में स्कूल की नौकरी छोड़ देनी की सोची क्योंकि इनकी मंजिल सिर्फ समाज सेवा है वह पीड़ित व जरूरतमंद लोगों के चेहरे की मुस्कान की वजह बनाना चाहती थी। सेवा करते हुए संस्थान के पदाधिकारी गण ने इन 5 सालों में ऊपर की पोस्ट लेने के लिए बहुत बार आग्रह किया उन्होंने कहा कि अब आपको काम नहीं करना है आपको लोगों से काम करवाना है पर काम के प्रति इतना जुनून था कि मैंने कहा नहीं खुद काम करना चाहती थी, इसलिए अभी तक अध्यक्ष पद पर है और समाज सेवा में अपना योगदान दे रही है।

सामाजिक सेवा गतिविधियां

आपने पिछले 25 सालों से शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है। अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक सेवा कार्य भी चल रहे थे पिछले 5 वर्षो से प्रत्यक्ष रूप से समाज सेवा में जुटी हुई है इन 5 वर्षो में कई सामाजिक कार्य किए जिसमें प्रमुख रूप से -

महिला सशक्तिकरण : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर कई कार्यक्रम स्कूली बालिकाओं की पोशाक पाठ्य सामग्री व फीस में सहायता गांव की बालिका को सेनेटरी नैपकिन की सुविधा गर्भवती महिलाओं को बेबी शावर, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कई कार्यक्रम सर्व जाति विवाह में 15 वैवाहिक जोड़ों को दैनिक आवश्यकताओं का सामान उपलब्ध करवाना।

स्वास्थ्य सेवा : चार योग शिविर, दो नेत्र शिविर, लेंस प्रत्यारोपण ,स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण जांच शिविर, दृष्टि दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन दो बार रक्तदान शिविर कैंसर वह मधुमेह है के विरुद्ध अभियान में रैलियों का आयोजन जोधपुर से ऋषिकेश व मंसूरी तक जागरूकता रैलियों का आयोजन 42,000 पेंफलेट्स का वितरण संपूर्ण स्वास्थ्य जांच शिविर।

जीव दया : जीव दया पर कई कार्य पक्षियों के परिंदों की व्यवस्था चुग्गा पात्र की व्यवस्था वह उनके पानी और चुगे की व्यवस्था गौशालाओं में घास व गुड़ की व्यवस्था माचिया पार्क में हिरण के बच्चों को दूध की व्यवस्था गली के कुत्तों को रोटी देना वह बीमारी में उनको हॉस्पिटल ले जाने की व्यवस्था करना।

खेल संबंधित : लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा महिला की क्रिकेट टीम का आयोजन किया गया उसमें मैनेजर की भूमिका दी गई। दो बार उदयपुर की टीम को हराकर जोधपुर की टीम को विजयी बनाया समय-समय पर खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया।

कला संस्कृति : राजस्थान की मांडणा कला को प्रोत्साहित करना राजस्थान स्थापना दिवस पर अशोक उद्यान में महिलाओं व बालिकाओं को मांडना कला के बारे में बताना विश्व विरासत डे पर विश्व की धरोहर को रखरखाव की जिम्मेदारी संवाद आर्ट एंड कला में निपुण।

वृद्धजनों का सम्मान : जोधाणा वृद्धाश्रम के वृद्धजनों का सम्मान दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति का सामान वह उनके मनोरंजन के लिए एक दिवसीय गरबा की व्यवस्था वह समय-समय पर उनके साथ समय बिताना।

गणमान्य व विशिष्ट लोगों का सम्मान : लायंस क्लब जोधपुर मातृशक्ति कुसुमलता परिहार के द्वारा लोक कलाकार रंगमंच कलाकार रंगकर्मी उद्घोषक तीर्थयात्रियों नृत्यांगना डॉक्टर खेल अधिकारियों का पुलिस कर्मियों आदि का समय-समय पर सम्मान किया सम्मान में साफा शॉल श्रीफल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया शिक्षक दिवस पर 50 शिक्षकों का सम्मान किया गया।

जन्मदिन मनाने की अनूठी पहल : लायंस क्लब जोधपुर मातृशक्ति कुसुमलता द्वारा जन्मदिन मनाने की अनूठी पहल के तहत शहर के गणमान्य लोगों

के घर अचानक पहुंचकर केक स्मृति चिन्ह बुके वह गिफ्ट के द्वारा उनका जन्मदिन सेलिब्रेट करना उनके चेहरे की मुस्कान देख कर खुश होना।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाना : सभी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाना उन दिवस पर सेवा गतिविधियां करना जैसे मातृभाषा दिवस पृथ्वी दिवस रेडियो दिवस जीव दिवस पर्यावरण दिवस योग दिवस इत्यादि मनाना।

पर्यावरण : 500 पौधे लगाए तुलसी व नीम के पौधे का समय-समय पर वितरण ट्री गार्ड लगाना का कार्य भी निरंतर जारी है।

त्योहार : होली, दीपावली, बसंत पंचमी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, 26 जनवरी, 15 अगस्त, क्रिसमस, बाल दिवस, गांधी जयंती, अंबेडकर जयंती आदि त्योहारों पर जरूरतमंद व स्कूली बच्चों के अलावा दिव्यांग बच्चों के साथ सेलिब्रेशन करना उन बच्चों को मिठाई कपड़े फटाके गिफ्ट देकर उनको अपनी खुशियों में शामिल करना।

इसके अलावा नेकी की दीवार के माध्यम से वस्त्र वितरण करना बाबा रामदेव मेले में भंडारे की व्यवस्था 2 दिन के लिए करना। जल संरक्षण पर कार्य करना लोगों को समझाना कि किस प्रकार हम पानी को बचा सकते हैं बरसात के पानी का उपयोग किस तरह करने के बारे में सर्व समाज के लोगों को जागरूक करना। प्लास्टिक की थैली का विरोध करते हुए पेपर बैग बनाने को प्रोत्साहित करना और कपड़े की थैलियों का वितरण करना। सड़क सुरक्षा के लिए सभी को नियमों के पैम्पलेट वितरित करना जो हेलमेट नहीं पहन के निकल रहा है उसको हेलमेट देकर एहसास करवाना।

इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के तहत भी कई कार्यक्रम किए। करोना वायरस में जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री वितरित वह लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा निर्देश मिलने पर प्रधानमंत्री राहत कोष में नगद राशि जमा करवाई। कोरोना वॉरियर्स पुलिसकर्मियों नर्सिंग कर्मियों सफाई कर्मचारियों रक्त दाताओं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समाजसेवियों कुल 171 लोगों का सम्मान दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मान प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह वह छाते देकर कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित भी किया। यही नहीं कोरोना काल में तीन रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 100 से अधिक यूनिट रक्त संग्रहित किया गया और यह क्रम अभी भी चालू है। समय समय पर रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्तदान करवाना।

लायंस क्लब समाज सेविका अध्यक्ष कुसुम लता परिहार ने अपने जन्मदिन पर अपनी देहदान की घोषणा की संकल्प मेडिकल कश्वलेज में डॉ सुषमा कटारिया को सबमिट करवा दिया। 10 जून नेत्रदान दिवस पर मेडिकल कॉलेज में नेत्रदान का पंजीकरण भी करवाया।

लायंस श्रीमती कुसुमलता परिहार की उपलब्धियां :

नगर निगम द्वारा सम्मानित

लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा 20 बार सम्मानित

संभाग की बेस्ट लॉयन के खिताब से सम्मानित

इंदौर भीलवाड़ा उदयपुर आबूरोड में सम्मानित

2019 में लायंस क्लब इंटरनेशनल के अवार्ड सेरेमनी में 150 क्लबों को पीछे छोड़ कर बेस्ट क्लब का खिताब वरु बेस्ट प्रेसिडेंट का खिताब भी प्राप्त किया।

आप विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा 80 बार सम्मानित हो चुकी है।

युवा संत देवी मनुश्रीथा

देवी मनुश्रीथा का जन्म 25 जुलाई 2011 को सोजत सिटी में मदन लाल एवं सुशीला माली के यहां हुआ। आपकी शिक्षा मुंबई शहर से हुई। जब इनकी आयु 6 वर्ष की थी तभी से मां के साथ सत्संग कीर्तन में जाती तथा धर्म कर्म में रूचि रखती थी।

इनके घर का माहौल ही कुछ ऐसा था कि भगवत सेवा एवं हरिनाम प्रचार करने की प्रेरणा मिल रही। फिर देवी मनुश्रीथा ने वृंदावन में वेदों का अध्ययन किया और 2019 में नानी बाई रो मायरो एवं भागवत कथा द्वारा हरिनाम नाम प्रचार एवं समाज सेवा करने का संकल्प लिया और यहां से देवी मनुश्रीथा की धार्मिक जीवन यात्रा प्रारंभ हुई। अभी आप वृदावन में धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए साध्वी के रूप में साधा जीवन जी रही है।

वरिष्ठ पत्रकार शंकरलाल बने प्रदेश सचिव

रतननगर। चूरू के हमारे वरिष्ठ पत्रकार शंकरलाल कटारिया नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन (NJAR) के राजस्थान प्रदेश सचिव मनोनीत होने पर अनेकों सामाजिक संस्थाओं, सर्व समाज के प्रबद्धजनों सहित पत्रकारों एवं समाचार पत्रों के संपादकों, प्रकाशकों सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने हर्दिक बधाई प्रेषित की। ज्ञात रहे कि नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों का संगठन है यह पत्रकारों के हितों के लिए कार्यरत संगठन है यह संगठन राजस्थान, बिहार, दिल्ली, यूपी व एमपी तक फैला हुआ है।

शंकरलाल जी कटारिया ने पूर्ण ईमानदारी, कर्मठता व समर्पण भाव से संगठन में अपनी समस्त जिम्मेदारी का निर्वहन किया था। अत: इनकी कार्य करने की शैली को देखते हुए प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत करके इनका मान सम्मान बढ़ाया है।

श्रीमती मीना साँखला : समाजसेविका व राजनीतिज्ञ

जीवन परिचय : श्रीमती मीना सांखला का जन्म नवम्बर 1975 में जलोरियों का बास,जोधपुर राजस्थान में एक निम्न मध्यम वर्गीय साधारण परिवार में हुआ। इनके परिवार में चार भाई बहन है दो भाई, दो बहन है पिता श्यामलाल परिहार प्राइवेट कार्य तथा माताजी दुर्गा परिहार सिलाई व बच्चों को पढाकर लालन पालन किया।

22 वर्ष की उम्र में श्रीमती मीना का विवाह चांदपोल जोधपुर निवासी श्री धर्मेन्द्रसिंहजी साँखला से मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ जो कि प्राइवेट कार्य करते थे, जिनकी बाद में विद्युत विभाग में सर्विस लग गई । श्रीमती मीना सांखला ने बताया कि विवाह के 14 वर्ष बाद मेरे पति ने मुझे राजनीति में प्रवेश करवाया तथा मुझे ओपन स्कूल से 12 कक्षा उतीर्ण करने में मदद कर मुझे पूरा स्पोर्ट किया। मेरे पति धर्मेन्द्र सांखला के उचित मार्गदर्शन व सहयोग से में आगे बढ़ती गयी कई संगठनों के साथ कार्य करने का मौका मिला, राजनीतिक पार्टी - भारतीय जनता पार्टी में भी मेरी कार्यशैली व मेरे व्यवहार से दायित्व बढ़ता रहा, पार्टी में बूथ स्तर से जिला व राज्य स्तर तक पहचान बनी, महिलाओ को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही, इस प्रकार मेरे साथ महिलाओं का काफिला बढ़ता रहा तथा महिलायें मुझे देखकर घर से बाहर निकलने लगी तथा राजनीति व सामाजिक कार्यो में हिस्सा लेने लगी महिला जागृति की मिशाल बनने लगी

मेरा विस्तृत विवरण निम्न है -

व्यक्तिगत विवरण -

श्रीमती मीना साखला पति का नाम - धर्मेन्द्रसिंह सांखला

निवास स्थान - भगवान का बाग, विद्याशाला के पास, चांदपोल के बाहर, जोधपुर - 342001

जन्मतिथि - 26 नवम्बर 1975

शैक्षणिक योग्यता - सैकेण्ड्री परीक्षा उत्तीण - 1995

ITI डिप्लोमा कटिग एवं सिलाई - 1998 महिला आई.टी.आई. जोधपुर

सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा उतीण - 2015

व्यक्तिगत उपलब्धियां -

मिसेज हस्तशिल्प मेला -2017 (पशिचमी राजस्थान हस्तशिल्प उद्योग मेला 2017)

रियल सुपर हीरो -202 (Forever STAR AWARD INDIA)

कार्यानुभव - स्कुली जीवन में छात्रसंघ प्रतिनिधि, खेलकुद मे बास्केटबाल व जिन्मास्टिक खिलाडी रही । एनसीसी की कैडेट रही, 3 वर्षो तक अनोपचारिक शिक्षा केंद्र का संचालन किया ।

सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाना ।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2014 से 2018 तक महिला एवं बालक बालिकाओं के सास्कृतिक, मनोरजंन कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भागीदारी ।

भारतीय नववर्ष महोत्सव आयोजन समिति में 2015 से महिला मण्डल सदस्य ।

सर्वजातीय समुहिक विवाह समिति में वर्ष - 2014 से लगातार आयोजन समिति मे महिला मण्डल सदस्य ।

राजनितिक प्रशिक्षण -

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश राजस्थान पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान जिलास्तरीय प्रशिक्षण वर्ग - 18 से 20 दिसम्बर 2015, श्री राजाराम आश्रम, शिकारपुरा, जोधपुर मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग - 27 - 28 सितम्बर 2015 गढ़ गोविन्द चौपासनी, जोधपुर ।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग महिला मोर्चा जोधपुर - 25 से 27 अगस्त 2012 वैभव एन्कलैव पालरोड जोधपुर ।

राजनितिक क्षेत्र -

जोधपुर संभाग महिला संयोजक - भाजपा संकल्प से सिद्दि महाभियान

चुनाव प्रभारी :

नगर निगम चुनाव 2020 जोधपुर, महिला मोर्चा भाजपा जोधपुर ।

जिला संयोजक -

शक्ति केन्द्र महिला मोर्चा जोधपुर लोकसभा चुनाव 2019

जिला उपाध्यक्ष -

वर्ष 2016 में भाजपा महिला मोर्चा जोधपुर शहर ।

जिला प्रभारी -

वर्ष 2015 में रक्षाबन्धन सुरक्षा अभियान (प्रधानमन्त्री बीमा सुरक्षा योजना के अन्तर्गत)

अध्यक्ष मण्डल –

वर्ष 2013 में सूरसागर भाजपा महिला मोर्चा जोधपुर शहर ।

जिला कार्यकारिणि सदस्य –

वर्ष 2012 में भाजपा महिला मोर्चा जोधपुर शहर ।

साधारण सदस्य –

वर्ष 1998 से भारतीय जनता पार्टी के हर क्षेत्र में कार्य किया ।

राजनितिक गतिविधिया –

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो, रेलियों , धरने, विरोध-प्रदर्शन, सभाओं, में शामिल होना तथा महिला कार्यकर्ताओं को भी जागरुक करके शामिल करना ।

सुराज संकल्प यात्रा, विधानसभा चुनाव 2013, 2018 लोकसभा 2014, 2019 की चुनावी सभाओं, जनसम्पर्क रेलीयो, जनसभाओं चुनाव का प्रचार – प्रसार करना, अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने का प्रयास करना ।

अन्य दायित्व :

प्रदेश अध्यक्ष – राजस्थान संगीत एवं सांस्कृतिक संस्थान (रजि.)

प्रदेश महिला महासचिव – ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज, पश्चिमी राजस्थान ।

कार्यकारिणि सदस्य – आदर्श विद्यामन्दिर उपसमिति, सूरसागर स्कुल जोधपुर ।

आजीवन सदस्य – माली संस्थान जोधपुर ।

अखिल भारतीय माली सैनी सेवासदन सस्थान पुष्कर , अजमेर ।

श्री रामस्नेही हरिमानव परमार्थ सेवा सस्थान , जोधपुर ।

सामाजिक गतिविधियां –

महिला एवं बाल शिक्षा व महिलाओं को स्वावलम्बी बनने का प्रशिक्षण दिलवाना , निशुल्क सिलाई केन्द्रो बाल संस्कार शिविरो में सहयोग करना सामाजिक सुरक्षा सरोकार के लिए कार्य करना । सेवा भारती के सहयोग से जरूरतमन्द को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना । गरीबी उन्मुलन हेतू विभिन्न कार्यक्रमों से उन्हे लाभ पहुंचाना। पाश्चात्य संस्कृति के कारण समाज में लुप्त हो रही हमारी संस्कृति व परम्पराओं, लोक – कला व कलाकारों को जिवित रखने हेतू राजस्थान संगीत एवं सांस्कृतिक संस्थान के साथ मिलकर मातृ संस्कृति के संरक्षण प्रचार – प्रसार का कार्य करना ।

जीवन उद्देश्य :

मानव कल्याण के कार्य कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुँचाना ।

कोरोना की जंग में पिछले तीन माह से तपती धूप में अपनी सेवाएं दे रही बर की तीन जांबाज बेटियां

ह्नरायपुर पाली। जब से हमारे प्रदेश में कोरोना वायरस जैसी महामारी ने दस्तक दी है। तब से रायपुर उपखण्ड के बर कस्बे की तीन जांबाज बेटियां कोरोना योद्धा बचकर सेवाएं दे रही है। बर ग्राम की ही यह तीनों बेटियों ने वो कर दिखाया जो किसी बेटे के कार्य से भी कम नहीं कह सकते। इस वैश्विक भयानक महामारी में अच्छे भले भी कांप उठे और डर के मारे घरों में दुबक गए थे। उस विकट परिस्थितियों में यह बेटियां 46 डिग्री तपाने व चिलचिलाती धूप में बर कस्बे में पुलिस मित्र बनकर अपनी सेवाएं दे रही है और कोरोना से निडर होकर जंग लड़ते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग कर रही है।

हम बात कर रहे है यही के नई कॉलोनी निवासी गुड्डी बागड़ी पुत्री सुरेश बागड़ी, संगीता चौहान पुत्री मांगीलाल चौहान और हर्षिता बागड़ी पुत्री रतनलाल बागड़ी की जो राजस्थान में लॉकडाउन शुरू होते ही पुलिस मित्र में भर्ती होकर आज तक तीनों लड़कियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। बर ग्राम की इन तीनों जांबाज लडकियों को आज करीबन तीन माह से अधिक महीने हो गए है जो बर गांव की एक एक घर पर जाकर ग्राम के लोगों को कोरोना महामारी से बचाव, सावधानी बरतने, लाक डॉउन का पालन करने के बार में समझाया और जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया। साथ ही बर ग्राम के मुख्य बस स्टैण्ड पर कड़ी धूप में खड़ी रहकर आने वाले लोगों को हाथ जोड़कर आग्रह ओर आगाह भी किया।

बर कस्बे के साथ साथ पूरे जिले में इन कोरोना योद्धा जांबाज बेटियों के साहसिक कार्यो की सराहना व प्रंशसा की जा रही है। यह तीनों बेटियां एनसीसी केंडेड भी है। बर गांव ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में युवाओं के लिए एक मिसाल और प्रेरणादायक साबित हुई। वहीं तीनों ने यह साबित कर दिखाया कि वो लड़कों से कम नहीं है। इन जांबाजज बेटियों की जितनी प्रंशसा की जाए कम है। इन लड़कियों ने पूरी मुस्तेदी से अपना काम किया और बर वासियों को सुरक्षित और महफूज रखा। इन जांबाज बेटियों की सेवा कार्या से प्रभावित होकर बर के युवा समाजसेवी हनुवंत बागड़ी ने राज्य सरकार और जिला कलेक्टर से इन तीनों बेटियों को जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित करने का आग्रह किया। जिससे प्रदेश की युवा पीढ़ी को इन तीनों से प्रेरणा मिल सके और इसने प्रेरणा ले ओर भी युवा अपनी जिम्मेवारी समझकर अपने गांव कस्बे में कोरोना महामारी में सेवाएं दे सके।

साहित्य जगत की सशक्त हस्ताक्षर– सीमा भाटी, बीकानेर

यूं तो लेखन की दिशा में अनेक रचनाकार सलंग्न है, लेकिन इस दौर में साहित्य साधना को पूर्ण समर्पण के साथ जीना और समाज को युग के अनुरूप उत्कृष्ट रचनाएं देना अपने आप में एक अनूठे व्यक्तित्व की निशानी है।

ऐसी ही विविध मुखी रचनाधर्मी साहित्यकार है बीकानेर की सीमा भाटी। राजस्थानी, हिंदी व उर्दू तीनों भाषाओं में समान रूप से पकड़ रखने वाली लेखिका सीमा भाटी साहित्य की विविध विधाओं में लेखन कर साहित्य कोश को समृद्ध करने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है, तीनों भाषाओं को अपनी लेखनी से उकेरना सचमुच काबिल–ए– तारीफ है।

सीमा भाटी जहां एक और कहानीकार है वही काव्य जगत में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। आप की कहानी की पुस्तक महीन धागे से बुना रिश्ता सचमुच समाज को नई दिशा देने वाली पुस्तक है इस पुस्तक में समाहित कहानियां समाज को नया दिग्दर्शन कराती है। वहीं इन कहानियों को हम आधुनिक कहानी का विशिष्ट रूप भी कह सकते हैं, वहीं इन कहानियों में छिपा मर्म समाज को नई शिक्षा व दिशा प्रदान करने में सक्षम हैं। कहानियों में हिंदी उर्दू व राजस्थानी का भाषा की झलक लेखिका की विशिष्टता उजागर करती है। कहानीकार के रूप में सीमा भाटी की कहानियां पाठकों के लिए पठनीय है, वही समाज को दिशा बोध प्रदान करती है।

काव्य विद्या में भी सीमा भाटी का कोई सानी नहीं है। हिंदी व राजस्थानी कविताओं को काव्य गुणों की विशेषता के साथ प्रस्तुत करना विशिष्टता उजागर करती है। आपका राजस्थानी कविताओं का संग्रह पैल दूज मुझे पढ़ने का अवसर मिला। छोटी–छोटी कविताओं को जिस सरलता के साथ आपने प्रस्तुत कर देश समाज व जीवन के यथार्थ को छुआ है। एक मंचीय कवि के रूप में आपकी विशिष्टता यह दिखाती है आपने कविता को अपने में समेटे हुए हैं। सीमा भाटी ने राजस्थानी व हिंदी में अनेक कविताओं की रचनाएँ की हैं। आपका यह कविता संग्रह आपको एक मंजे हुए कवि के रूप में प्रस्तुत करता है । आपने लोक जीवन से जुड़े अनेक विषयों को आपने काव्य के माध्यम से साकार करने का प्रयास किया है।

सीमा भाटी एक मंचीय कवयित्री के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। अनेक मंचों के माध्यम आप मुखर होकर कविता वाचन करती है तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। आपकी वाणी में तीनों भाषाओं का संगम देखने को मिलता है जो सुनने वाले को प्रभावित करता है। साहित्यकार सीमा भाटी राजस्थान में अपनी एक विशिष्ट पहचान के साथ प्रतिष्ठित हैं। लंबे समय से आप शिक्षक जीवन को समर्पित हैं। शिक्षा सेवा के साथ आपने साहित्य क्षेत्र में जो कार्य किया है वो अपने आप में अनूठा है। देश की विविध प्रतिष्ठित विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से निरन्तर आपकी रचनाओं का प्रकाशन होता रहता है ।

सहज, सौम्य, सरल स्वभाव की सीमा भाटी उर्दू विषय पर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर से पीएचडी कर रही है। इन सबके साथ हमेशा लेखन को समर्पित रहने वाली सीमा भाटी को विभिन्न संस्थानों द्वारा अनेक पुरस्कार सम्मान से भी नवाजा गया है। आपकी लेखनी समाज को एक नई दिशा प्रदान करने वाली है। आप जैसी विशिष्ट साहित्यकार हिंदी, राजस्थानी व उर्दू साहित्य जगत् की विशिष्ट धरोहर है। आपकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हुई है। इन पुस्तकों का प्रकाशन गायत्री प्रकाशन, बीकानेर द्वारा बहुत ही सुंदर रूप में किया गया है, पुस्तक की छपाई व कागज उत्कृष्ट श्रेणी का है। विशिष्ट व्यक्तित्व सम्पन्न सीमा भाटी लेखन जगत में एक चिर–परिचित व चर्चित नाम है।

प्रस्तुति :
डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल
साहित्यकार, लाडनूं

राजूराम गहलोत बनें अध्यक्ष

सैनिक क्षत्रिय माली समाज विष्णु भवन ट्रस्ट के निर्विरोध चुनाव

जोधपुर। राजूराम गहलोत श्री सैनिक क्षत्रिय माली समाज विष्णु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोनीत हुए। संस्था की आम सभा में सभी सदस्यों एवं समाज के प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से राजूराम गहलोत को उनकी समाज सेवा की भावनाओं को देखते हुए अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इस के साथ ही समाजसेवी जगदीश पंवार को सचिव, लक्ष्मण सोलंकी को कोषाध्यक्ष, भगवानसिंह गहलोत को उपाध्यक्ष एवं लाल सिंह गहलोत को उपसचिव मनोनीत किया गया।

इस संस्था का गठन सन 1948 में समाज के प्रबुद्धजनों ने किया था तथा प्रथम अध्यक्ष तुलछीराम गहलोत आमली बेरा को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। संस्था में समाज के लोगों को ठहरने के लिए सर्व सुविधा युक्त कमरों की सुविधा के साथ ही मैदान उपलब्ध है। संस्थान परिसर में सार्वजनिक विद्यालय का भी संचालन होता हैं संस्थान से होने वाली आय को परमार्थ हित में शिक्षा, चिकित्सा तथा आर्थिक रूप से कमजोर वृद्धों, विधवाओं आदि को आर्थिक सहायता में लगाई जाती है। संस्थान मण्डोर गार्डन के पास स्थित है।

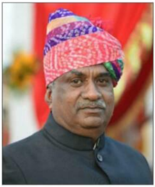

राजूराम गहलोत

जगदीश पंवार

लक्ष्मणसिंह सोलंकी

लाल सिंह गहलोत

विश्व विद्यालय सहायक कुल सचिव बनी अंजलि मौर्या

रायबरेली। ऊँचाहार क्षेत्र के उसरेना गांव की रहने वाली अंजलि मौर्या 32 वर्ष ने उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की परीक्षा में स. कुल सचिव पद का बड़ा मुकाम हासिल करते हुए परिवार, समाज एवं क्षेत्र का ही नहीं जिले का नाम रोशन किया है। ज्ञात हो कि तहसील क्षेत्र के ब्लॉक रोहनिया गांव उसरेना निवासी अंजलि मौर्या पुत्री कृष्ण पाल मौर्या ने उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय सहायक कुल सचिव परीक्षा 2018 की परीक्षा में आए बीते 14 जुलाई की जिरल्ट में अंजलि को विश्वविद्यालय सहायक कुल सचिव पद पर चयन के बाद परिवार सहित आसपास खुशी का माहौल बन गया, परिवार में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा वहीं बिटियां को मिठाई खिलाकर बधाई दी गयी। अंजलि सन् 2009 में डाक सहायक पद पर चयन होनने पर मौजूदा में प्रयागराज प्रधान कार्यालय में कार्यरत थी। अंजलि के पिता कृष्णपाल मौर्या रिटायर हरनारायण इंटर कॉलेज के बाबू थे। जबकि मां माया देवी ग ृहणी है जिसमें अंजलि अपनी बहनों में सबसे छोटी है। अंजलि मौर्या ने सारा श्रेय अपने माता पिता को देते हुए कहा कि मेरे सभी भाई बहन का भी सहयोग से ही इस मुकाम पर पहुंची हूं।

संतोष सांखला
9252067133
9414359805

नेमीचंद सांखला
9529551444

आ. पी. तंवर
9414117306

तंवर मार्बल
मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

M Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)
E-Mail : marbletanwar@gmail.com
शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40,
रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

मिलनसार व्यक्तित्व के धनी, सभी के लिए सहज एवं सरलता से उपलब्ध रहने वाले कृत्वनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी – डॉ. देवराम सैनी

देवाराम यानि दिव्य प्रकाश, ऐसा प्रकाश जो सीकर के खंडेला में एक किसान परिवार के यहाँ जन्म होने के बाद राजस्थान की प्रशासनिक सेवा की प्रतियोगी परीक्षा में अव्वल होने का संकल्प लेते है और एक भरोसे को ईमानदारी से जगमग कर देते है जो पढ़ते वक्त सिर्फ अपना लक्ष्य अर्जित करने के लिए पढ़ते है हर परीक्षा में अव्वल रहकर अपने मध्यमवर्गीय किसान परिवार समाज अपने कस्बे खंडेला जिला सीकर के लिए जरूरत बन गए।

वफादारी, ईमानदारी, समझदारी, जिम्मेदारी सब कुछ तो इन्होने अपने छात्र जीवन में प्राथमिक पाठशाला से लेकर मिडिल माध्यमिक कॉलेज और फिर डॉक्टरेट की उपाधि लेने के अध्ययन संघर्ष में निभाई है । आज भी खंडेला सीकर में इनके परिवार के लोग क्षेत्र के बच्चों को इनकी कामयाबी के किस्से सुनाकर उन्हें प्रेरित करते हुए ईमानदारी पढ़ाई के प्रति लगन का पाठ पढ़ाते है। देवाराम इन लोगों के लिए युथ आइकॉन है समाज के लिए गौरव है बेदाग छवि, ईमानदारी, निष्पक्षता, जिम्मेदारी, वफादारी, सरकारी कामकाज के प्रति तत्परता के साथ आम लोगों के राजकीय कामकाज के प्रति बिना किसी विवाद के निष्पक्ष त्वरित निस्तारण इनकी पहचान रहा है।

प्रशासनिक चातुर्य कहें या फिर अनुभव, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत या संबंधित शीर्ष नेतृत्व के देखते ही उनका इशारा समझकर तत्काल जिम्मेदारी से उस कार्य का सफल सम्पादन इनकी पहचान है हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने केंद्र में सरकारी नौकरियां खत्म करने पर हास्यास्पद बयान में कहा था कि जो लोग किसी भी प्राइवेट कम्पनी में नहीं लग पाते वोह लोग सरकारी नौकरियों में जाते है देवाराम और अन्य अधिकारियों ने गडकरी के इस बयान के खिलाफ एक तमाचा है यहाँ उल्टा है बड़े बड़े उद्योगपति उनके करोड़ो करोड़ का पैकेज लेकर काम करने वाले कर्मचारी ऐसे देवाराम जैसे अधिकारीयों के सामने इनकी जिम्मेदारी, वफादारी, कर्तव्यनिष्ठा के चलते अपने कामकाज के लिए हाथ बांधे खड़े देखे जा सकते है।

देवाराम ने प्रारम्भिक शिक्षा खंडेला कॉलेज शिक्षा सीकर जयपुर में पूरी की इनकी डिग्रियां इनकी पढ़ाई का तो जिक्र करना मेरे लिए असम्भव सा है क्योंकि इन्होने सभी तरह की तो डिग्रियां हांसिल की है बी. कॉम. करने के बाद इन्होने व्यवसायिक प्रबंधन की डिग्री ली फिर एम. कॉम. की डिग्री लेने के बाद एम. फील. की डिग्री ली। बाद में देवाराम एकाउंटेंसी में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर देवाराम से डॉक्टर देवाराम बन गये।

इनकी उत्कृष्ठ कार्यशैली ओर कर्तव्यनिष्ठा के चलते मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन्हे विशेषाधिकारी बनाया। फिर पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में भी यह उनके विशेषाधिकारी रहे। अब फिर से जब अशोक गहलोत तीसरी बार मुख्ममंत्री बने तो यह जिम्मेदारी पुन: डॉक्टर देवाराम संभाल रहे है। कार्यालय में भी काना फूसी हो कोई भी अव्यवस्था हो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जिलेवार प्रशासनिक कार्य्रकम हो, बैठके हो, डॉक्टर देवाराम पहले से ही सभी व्यवस्थाओं सभी अधिकारीयों की कार्यशैली की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ईमानदारी से मुख्यमंत्री की जानकारी में रखते यही वजह है कि राजस्थान के गाँधीवादी संवेदनशील, पारदर्शी सिद्धांतों पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सफलता से अपने कार्यो को सम्पादित कर रहे है।

वर्ष 1998 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित होने पर डॉक्टर देवाराम ने जयपुर प्रशिक्षण प्राप्त किया। देवाराम पाली में प्रशिक्षु सहायक कलेक्टर रहे फिर वहीं देसूरी में सहायक कलेक्टर के पद पर सफलता पूर्वक कार्य करते रहने के कारण नियुक्त हुए । बाड़मेर शिव में ब्लॉक प्रसार अधिकारी, दोसा महुआ में सहायक कलेक्टर, राजगढ़ चूरू में एस. डी. ओ., भवानीमंडी झालावाड़, कठूमर अलवर में एस. डी. ओ., बीकानेर में जिला परिवहन अधिकारी, निवाई टोंक में एस. डी. ओ, अधिकृत अधिकारी जेडीऐ जयपुर में कुशल कार्य सम्पादन के बाद इनके अनुभव काम करने के सलीके को देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पारखी नजर देवाराम सैनी पर पड़ी और फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी फिर पूर्व मुख्यमंत्री होने पर भी देवाराम सैनी अशोक गहलोत के निजी सचिव रहे। और अभी फिर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देवाराम को विशेषाधिकारी की जिम्मेदारी दी है जैसे बखूबी ईमानदारी से, संगठन प्रशासन के संवेदनशील समन्वय के साथ देवाराम सम्पादित कर रहे है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की यह पारखी खोज आज राजस्थान में अशोक गहलोत के जिम्मेदार नेतृत्व में जैसा नाम यानि देवाराम यानी दिव्य प्रकाश के रूप में दिव्य प्रकाश की वजह भी बने हुए है ।

समाज के मधुर व्यवहार, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी सभी के लिए सहज एवं सरलता से उपलब्ध रहने वाले कुशल स्वभाव के धनी डॉ. देवराम सैनी पर हम सभी को गर्व है। हम उनके उज्ज्वलत्तम भविष्य की मंगल कामनाएं करते है।

खतरों के खिलाड़ी कैलाश सैनी ने 3हजार से अधिक जहरीले जीवों की बचाई जान

लक्षमनगढ (सीकर)। 4 जुलाई जहरीले जीवो को देखकर हर कोई ड़रने लगता है वही अपनी जान को खतरा मानकर कई बार इन्हे मार भी देते है लेकिन शेखावाटी मे एक युवक ऐसा भी है जो खतरो का खिलाड़ी बना हुआ है, जो अपनी जान को जोखिम मे ड़ालकर न केवल दूसरो की जान बचाता है बल्कि उस जीव की भी रक्षा कर उसे सुरक्षित उनके आवास जंगल मे छोड़कर आता है।

यह शख्सियत है मोदी विश्वविधालय लक्षमनगढ के प्राणी शास्त्र विभाग मे कार्यरत लेब टेक्निशीयन व शहर के वार्ड़ 23 निवासी कैलाश सैनी है, जो अब तक करीब 3200 से अधिक जहरीले जीवो की जान बचा चुका है तथा इन जीवो के प्रति आम लोगो मे बनी भ्रान्तियों को भी दूर करने मे जूटा है एक सर्वे के अनुसार राजस्थान मे 30 से अधिक सांपो की प्रजाति पाई जाती है जिनमे करीब 16 प्रजाति के सांप सीकर जिले मे पाये जाते है ।

सैनी का मानना है कि सांपो के प्रति आम लोगो का नजरिया बहुत गलत था तथा सांप को देखते ही मार ड़ालने धारणा बनी हुई थी जो मन को पीड़ा पहुचाती लेकिन कुछ नही कर पाता जागरूकता के अभाव मे अंधविश्वास के चलते एक निरीह प्राणी को मार ड़ालने से बहुत दुखी होता था ऐसे मे वन्यजीवो को बचाने का संकल्प लिया तथा 2010 मे गुरू गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली मे सहायक प्रोफेसर डॉ. एस. के. दास से प्रेरणा लेकर करीब 3-4 साल तक अध्ययन किया व प्रशिक्षण लेकर पूर्णतया नि:शुल्क स्नेक रेक्यू के कार्य मे जूट गया जो अनवरत जारी है।

सैनी ने अब तक 3200 से भी अधिक घरो से वन्यजीवो को सुरक्षित पकड़ कर इन परिवारो को सर्पदंश होने से बचाया है इन्होनें अब तक वॉर्म स्नेक, रेड़ सैंड़ बोआ (दोमुंहा सॉप), कॉमन सैंड़ बोआ, इंड़ियन कोबरा (नाग), ब्लैक कोबरा (नाग), वुल्फ स्नेक, कैट स्नेक, कॉमन करैत, ब्लैक हेड़ेड़ रॉयल स्नेक, ग्लॉसी बिलड़ रेसर स्नेक, मोनोक्लेड़ कोबरा, रेड़ स्पॉटेड़ रॉयल स्नेक, सॉ स्केल्ड़ वाईपर, रसल वाईपर, एफ्रो एशियन सैड़ स्नेक इनके अलावा गोह घोयरा व मॉनिटर लिजार्ड़ आदि वन्य जीवो को सुरक्षित पकड़कर जंगल मे छोड़ा सैनी अपनी यह सेवा नि:शुल्क करते है।

अपने साथ इन्होने टीम को भी प्रशिक्षित कर साथ जोड़ा है टीम मे बुद्धप्रकाश सैनी, सुनील चौधरी जालिम सिंह, ताराचंद सैनी, राजू सैनी, भवानी शंकर सोनी, शशि शर्मा सहयोगी के रूप मे काम करते है सैनी की सेवा भावना से प्रभावित होकर सैनी समाज संस्था, महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति ब्राह्मण महा संस्था स्काउट गाईड़ आदि ने सम्मानित किया है।

सैनी ने 2014 मे राजस्थान वाइल्ड़ लाईफ एण्ड़ नेचर सोसायटी का गठन कर वन्यजीवो के प्रति लोगो का नजरिया बदलने लोगो को जागरूक करने सर्पदंश से बचाने पर्यावरण के प्रति जागरूक करने व वृक्षा रोपण करने मे जूटे है। समाज के युवा पर्यावरण एवं पशु प्रेमी कैलाश सैनी का पुनीत सेवा कार्य के लिए ह्रदय से आभार अभिनंदन जो अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों को न केवल बचाते है वरन निरीह जीवों को भी अकास्मि मृत्यु एवं मानवों से होनी वाली हत्या से भी बचानें का कार्य करते है। हमें समाज के युवा कैलाश सैनी पर गर्व है।

सामाजिक संस्था द्वारा समाज के कोरोना वारियर्स का सम्मान

सैनी समाज सेवा एवं शिक्षण
पुराना शिव मन्दिर, टोंक फाटक,

सैनी समाज सेवा एवं शिक्षण संस्था

टोंक 28 जून। सैनी समाज सेवा एवं शिक्षण संस्था टोंक फाटक जयपुर द्वारा आज समाज के कोरोना वारियर्स जिन्होंने लॉक डाउन के दौरान जरूरतमंद लोगो की मदद की उनको सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बजाज नगर थाना इंचार्ज मानवेन्द्र सिंह पधारें उनका भी संस्था द्वारा साफा पहनाकर स्वागत किया गया। संस्था अध्यक्ष शिव नारायण सैनी ने बताया कि इस अवसर पर टोंक फाटक क्षेत्र के समाज के 60 लोगो को प्रशस्ति प्त्र व दुपट्टा भेट कर और माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद हरिश अजमेरा, गोविन्द देव जी मंदिर अध्यक्ष सुरेन्द्र सैनी, समाजसेवी चतुर्भुज अजमेरा, सोहनलाल सैनी, प्रभुजी सैनी, किशल लाल सैनी, गोपाल गढ़वाल अनिल चंदेल, रोहित अजमेरा, मुकेश मारोठिया, सुशील सैनी, निर्मल सैनी, नवीन सैनी, सुनील सैनी, राजेश सैनी, बजरंग सैनी, डी. डी. सैनी, ओम सिंगोदिया, सहित समाज के गण-मान्य लोग उपस्तिथ थे।

कार्यक्रम के अंत मे सभी को अल्पाहार के बाद संस्था सचिव एडवोकेट पी. एन. सैनी ने अभी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

सामाजिक संस्था द्वारा कोरोना महामारी में कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित करने पर माली सैनी संदेश परिवार हार्दिक आभाार प्रकट करता है।

आलू वाले की लड़की निरमा ने किया कमाल बोर्ड परीक्षा में प्राप्त की सफलता

सोजत। अभावों मे ही प्रतिभाएं जन्म लेती है ओर कोहिनूर बनकर उभरती है। महापुरुष महात्मा ज्योति बा फूले ओर सावित्रीबाई फूले जिन्होंने भारत मे महिला शिक्षा की नीवं रखी उनका सपना था जब गरीब की बेटियाँ पढेगी तो पिछडे समाज का स्तर सुधरेगा ओर सामाजिक क्रांति आयेगीं।

इसी को यथार्थ कर दिखाया सोजतसिटी सब्जी मंडी मे आलू प्याज सब्जी का थैला लगाने वाले दम्पति गोपाल तंवर ओर अंजू तंवर की बेटी निरमा तंवर ने दसवीं बोर्ड मे 95 प्रतिशत अंक हासिल किये ओर ज्योति बा फूले ओर सावित्रीबाई फूले का सपना सच करने की राह पर निकल पडी एक मजदूर की बेटी निरमा को बोर्ड की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर समाज की होनहार लाडली बेटी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

समाज की बेटी खुशी सैनी मकराना तहसील में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के कक्षा 10वीं परीक्षा परिणाम 2020 में सर्वश्रेष्ठ 98.17 प्रतिशत अंक अर्जित कर कीर्तिमान रच माता पिता के साथ समाज का गौरव बढ़ाया है।

भाई बहन दोनों ने सफलता के आयाम स्थापित किए : सक्षम सैनी व समीक्षा सैनी पुत्र-पुत्री सूरज सैनी द्वारा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के 10वीं कक्षा के परिणाम में 97.17 व 98.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की । इसी प्रकार दौसा जिले के लालसोट कस्बे में डीड़वाना गांव के मोनू सैनी ने 10वीं में 96.00 प्रतिशत बनाकर जिले कि वरियता सूची में स्थान प्राप्त किया है। हेमंत सैनी पुत्र श्रीमान हनुमान सैनी ने भी कक्षा 10 वीं में 96.50 अंक प्राप्त किए।

समाज की होनहार बेटी पूजा सैनी ने भी 10वीं में 96.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। किरण सांखला पुत्री श्री खुशालाराम सांखला ने कक्षा दसवीं में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। महिपाल पुत्र श्री प्रकाश चंद जी टाक ने भी कक्षा दसवीं में 96 प्रतिशत, नमिता सैनी पुत्री कालूराम सैनी को 12वीं कक्षा में 96 प्रतिशत अंकों के साथ श्रेष्ठ परिणाम निकाल सफलता प्राप्त की। समाज की सभी होनहार प्रतिभाशाली प्रतिभाओं को श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने पर माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

सैनी विकास महासमिति ने 1 हजार मास्क व 500 फेस शील्ड रामगढ़ में बांटे

रामगढ़। वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए रामगढ़ सैनी विकास महसमिति ने थाना तहसील, उपखण्ड कार्याल, हॉस्पीटल आदि जगह 1000 मास्क 500 फेस शील्ड तथा सेनेटाइजर मशीन का वितरण किया। समिति के सदस्य एडवोकेट रोहिताश सैनी ने बताया कि उपरोक्त विभागों के साथ ही कोर्ट परिसर आदि जगह मास्क फेस शील्ड व सेनिटाइजर मशीन को वितरित की। इस दौरान महासमिति के सूबेदार हरभजन सिंह सैनी, सेवादल के अध्यक्ष दया किशन, महा समिति के महासचिव गोविंद सैनी, मुकेश सैनी, भगवान आरतयां, तारा सेनी चौमा हेमंत सैनी, महेन्द्र ठेकेदार सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। संस्था के अध्यक्ष ने इस कार्य के लिए सभी सहयोगी भामाशाहों का आभार प्रकट किया।

समाज सेविका सेवानिवृत शिक्षिका रतनदेवी ने धर्मशाला निर्माण हेतु 75हजार की राशि भेंट

इन्दौर। समाज सेविका व सेवा निवृत्त शिक्षिका श्रीमती रतनदेवी सांखला द्वारा म.प्र. मारवाड़ी माली समाज पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट ओमकारेश्वर की धर्मशाला निर्माण हेतु · 75000 राशि इंदौर समाज अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी सांखला को भेंट की गई।

श्रीमती रतनदेवी का पुनीत सेवा कार्य हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा हार्दिक आभार प्रकट किया गया। माली सैनी संदेक

समाज की एक मात्र ऑन लाईन पत्रिका माली सैनी संदेश
आप कहीं भी पढ़नें के लिए लॉग ऑन करें :
www.malisainisandesh.com

माली सैनी समाज

माली होकर के माली का आप सभी सम्मान करो
सभी माली एक हमारे मत उसका नुकसान करो
चाहे माली कोई भी हो मत उसका अपमान करो
जो गरीब हो अपना माली धन दे के धनवान करो
हो गरीब माली की बेटी मिलकर कन्या दान करो
अगर माली लड़े चुनाव शत प्रतिशत मतदान करो
हो बीमार कोई भी माली उसे रक्तका दान करो
बिन घर के कोई मिले माली उसका खड़ा मकान करो
केस अदालत में अगर उसका बिना फीस के काम करो
अगर माली दिखता भूखा भोजन का इंतजाम करो
अगर माली की हो फाइल शीघ्र काम श्रीमान करो
माली की अटकी हो राशि शीघ्र आप भुगतान करो
माली को अगर कोई सताये उसकी आप पहचान करो
अगर जरूरत हो माली को घर जाकर श्रमदान करो
अगर मुसीबत में हो माली फौरन मदद का काम करो
अगर माली दिखे वस्त्र बिन उसे वस्त्र का दान करो
अगर माली दिखे उदास खुश करने का काम करो
अगर माली घर पर आये तिलक लगा सम्मान करो
अगर फोन पर बाते करते पहले जय ज्योतिभा फूले की
अपने से हो बड़ा माली उसको आप प्रणाम करो
हो गरीब माली का बरूआ उसकी मदद तमाम करो
बेटा हो गरीब का पढ़ता कापी पुस्तक दान करो
ईश्वर ने अगर तुम्हें नवाजा नही आप अभिमान करो।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा

श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर

श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर

हार्दिक बधाईयां

श्री करनैल सिंह सैनी को पंजाब पुलिस में डीएसपी बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नवीन टाक पुत्र पी. एस. टाक, का इंडियन बैंक के जोनल आफिस उदयपुर में (उप अंचल प्रबंधक) डिप्टी जोनल मैनेजर के पद पर पदस्थापित होने पर हार्दिक बधाई, अभिनन्दन एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों का
विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/-	पांच वर्ष रु 900/-	आजीवन रु 3100/-

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखें : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर
के सामने, महावीर कॉम्प्लेक्स के पीछे,
सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

समाज की प्रतिभाशाली प्रतिभाएं

रितिका सैनी
यू. पी. बोर्ड हाईस्कूल में
92प्रतिशत अंक

ढाणी खुशहाल गांव के गंगाराम सैनी के पुत्र
अमित सैनी
हरियाणा बोर्ड ऑफ सैकण्डरी एज्युकेशन की
12वीं कक्षा में 500 से 495
अंक प्राप्त कर पाया हरियाणा में दूसरा स्थान

समाज की
पूजा मोर्या
को यू. पी. बोर्ड परीक्षा की प्रदेश स्तरीय
टॉपटेन सूची मे मिली सातवीं रैंक।

मोनू सैनी

हेमन्त सैनी

खुशी सैनी

सक्षम सैनी

समीक्षा सैनी

किरण सांखला

महिपाल टाक

नमिता सैनी

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

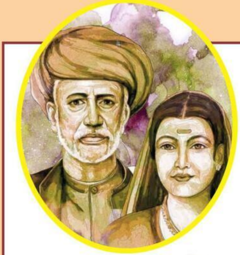

हार्दिक आभार

राजस्थान सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

- भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की जयंति 3 जनवरी को महिला शिक्षिका दिवस घोषित।
- प्रत्येक जिले में एक एक राजकीय विद्यालय का नामकरण महात्मा ज्योति बा एवं सावित्री बाई फूले के नाम पर।
- सरकारी स्तर पर शिक्षा से लेकर किसानों और ओबिसी वर्ग की योजनाओं का नाम महात्मा ज्योति बा एवं सावित्री बाई फूले के नाम पर।
- सभी सरकारी स्कूलों/कॉलेजों में लगाई जाएंगी महात्मा ज्योति बा एवं सावित्री बाई फूले की प्रतिमा एवं तस्वीर।

गुरु पूर्णिमा का दिन माली सैनी समाज के लिए रहा ऐतिहासिक 170 साल बाद सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका को राजकीय सम्मान प्रदान करने के लिए माली सैनी संदेश पत्रिका की और से माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत का आभार अभिनंदन।

आपके अभूतपूर्व निर्णय से फूले दम्पति को सम्मान के साथ ही देश में मुख्यधारा से पिछड़े शोषित ,पीड़ित एंव वंचित वर्ग के लोगों का संबल मिलेगा।

माली सैनी समाज

माली सैनी सन्देश

www.malisainisandesh.com

स्वत्वाधिकारी संपादक/मालिक/प्रकाशक/मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR